के. मा. शि. बो. प्रतिदर्श प्रश्नपत्र

हिन्दी पाठ्यक्रम 'अ'

कक्षा – नवम

समय : 3 घंटे | पूर्णांक – 80

पाठ्य पुस्तके : क्षितिज – भाग 1

कृतिका – भाग 1

(क)	पठन एवं बोधात्मक अपठित	5×4 = 20	बहुविकल्पी प्रश्न
(ख)	व्याकरण	4×5 = 20	बहुविकल्पी प्रश्न
(ग)	साहित्य	20 + 5 + 5 = 30	लघुत्तर प्रश्न निबन्धात्मक प्रश्न बहुविकल्पी प्रश्न
(घ)	लेखन	5 + 5 = 10	निबन्धात्मक प्रश्न

खंड 'क'

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर पुस्तिका में लिखिए –

भारतीय दर्शन सिखाता है कि जीवन का एक आशय और लक्ष्य है, उस आशय की खोज हमारा दायित्व है और अंत में उस लक्ष्य को प्राप्त कर लेना, हमारा विशेष अधिकार है। इस प्रकार दर्शन जो कि आशय को उद्घाटित करने की कोशिश करता है और जहाँ तक उसे इसमें सफलता मिलती है, वह इस लक्ष्य तक अग्रसर होने की प्रक्रिया है। कुल मिलाकर आखिर यह लक्ष्य क्या है? इस अर्थ में यथार्थ की प्राप्ति वह है जिसमें पा लेना, केवल जानना नहीं है, बल्कि उसी का अंश हो जाना है। इस उपलब्धि में बाधा क्या है ? बाधाएँ कई हैं। पर इनमें प्रमुख है – अज्ञान । अशिक्षित आत्मा नहीं है, यहाँ तक कि यथार्थ संसार भी नहीं है। यह दर्शन ही है जो उसे शिक्षित करता है और अपनी शिक्षा से उसे उस अज्ञान से मुक्ति दिलाता है, जो यथार्थ दर्शन नहीं होने देता। इस प्रकार एक दार्शनिक होना एक बौद्धिक अनुगमन करना नहीं है, बल्कि एक शक्तिप्रद अनुशासन पर चलना है, क्योंकि सत्य की खोज में लगे हुए सही दार्शनिक को अपने जीवन को इस प्रकार आचरित करना पड़ता है ताकि उस यथार्थ से एकाकार हो जाय जिसे वह खोज रहा है। वास्तव में, यही जीवन का एकमात्र सही मार्ग है और सभी दार्शनिकों को इसका पालन करना होता है, और दार्शनिक ही नही, बल्कि सभी मनुष्यों को, क्योंकि सभी मनुष्यों के दायित्व और निर्यात एक ही हैं।

(1) भारतीय दर्शन किस लक्ष्य की ओर संकेत करता है ? 1

(क) यथार्थ की प्राप्ति कर लेना

(ख) जीवन का एक आशय और लक्ष्य है

(ग) यथार्थ के साथ एकाकार हो जाना

(घ) शिक्षित हो जाना

(2) लक्ष्य प्राप्त करने में प्रमुख बाधा क्या है ? 1

(क) अशिक्षित होना

(ख) ज्ञान का अभाव

(ग) यथार्थ दर्शन

(घ) अनुशासन हीनता

(3) जीवन का एक मात्र उद्देश्य क्या है ? 1

(क) एक शक्तिप्रद अनुशासन पर चलना

(ख) बौद्धिक अनुगमन करना

(ग) शिक्षित होना

(घ) अज्ञान से मुक्त होना

(4) 'अनुशासन' शब्द में उपसर्ग का सही विकल्प है– 1

(क) अन + उशासन

(ख) अ + नुशासन

(ग) अनु + शासन

(घ) अनुशा + सन

(5) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है – 1

(क) जीवन दर्शन

(ख) दार्शनिकता

(ग) सत्य की खोज

(घ) भारतीय दर्शन

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर पुस्तिका में लिखिए – 05

मानव जाति अपने उद्‌भवकाल से ही प्रकृति की गोद में ही जन्म लिया और उसी से अपने भरण–पोषण की सामग्री प्राप्त की। सभी प्रकार के वन्य या प्राÑतिक उपादान ही उसके जीवन और जीविका के एकमात्र साधन थे। प्रÑति ने ही मानव जीवन को संरक्षण प्रदान किया। रामचंद्र, सीता व लक्ष्मण ने भी पंचवटी नामक स्थान पर कुटिया बनाकर वनवास का लंबा समय व्यतीत किया था।

वृक्षों की लकड़ी से मानव अनेक प्रकार के लाभ उठाता है। उसने लकड़ी को ईंधन के रूप में प्रयुक्त किया। इससे मकान व झोपड़ियाँ बनाईं। इमारती लकड़ी से भवन – निर्माण, कृषि यंत्र, परिवहन, जैसे–रथ, ट्रक तथा रेलों के डिब्बे तथा फर्नीचर आदि बनाए जाते हैं। कोयला भी लकड़ी का प्रतिरूप है। वृक्षों की लकड़ी तथा उसके उत्पाद; जैसे – नारियल का जूट, लकड़ी का बुरादा, चीड़ की लकड़ी आदि विभिन्न इससे वस्तुओं का प्रयोग फल, काँच के बर्तन आदि नाजुक पदार्थों की पैकिंग के किया जाता है।

इस प्रकार वृक्षों से विभिन्न प्रत्यक्ष लाभों के अतिरिक्त परोक्ष फायदे भी हैं। जीवन दायिनी ऑक्सीजन पेड़ों से प्राप्त होती है। वृक्षों के आधिक्य से बाढ़ नियंत्रण में सहायता मिलती है।

(1) आदिकाल में मानव जीवन किस पर आधारित था ? 1

(क) फल-फूल

(ख) वन्य या प्राकृतिक उपादान

(ग) कल-कारखाने

(घ) कृषि यंत्र

(2) 'लकड़ी' का प्रतिरूप क्या है ? 1

(क) लकड़ी का बुरादा

(ख) फर्नीचर

(ग) कोयला

(घ) नारियल का जूट

(3) वृक्षों से परोक्ष फायदा किसमें हो सकता है– 1

(क) बाढ़ नियंत्रण

(ख) फर्नीचर

(ग) परिवहन

(घ) भवन निर्माण

(4) 'पंचवटी' का समास विग्रह है – 1

(क) पाँच वटों का समाहार

(ख) पाँच हैं वट जिसके

(ग) पंच के लिए वटी

(घ) पंच और वटी

(5) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है – 1

(क) मानव जीवन

(ख) पेड़-पौधे और हमारा जीवन

(ग) पंचवटी

(घ) जीवन और जीविका

प्रश्न 3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए – 5

कुछ भी बन, बस कायर मत बन

ठोकर मार, पटक मत माथा

तेरी राह रोकते वाहन

कुछ भी बन, बस कायर मत बन

ले–देकर जीना, क्या जीना ?

कब तक गम के आँसू पीना ?

मानवता ने तुझको सींचा

बहा युगों तक खून–पसीना ।

कुछ न करेगा ? किया करेगा –

रे मनुष्य – बस कातर क्रंदन ?

अर्पण कर सर्वस्व मनुज को,

कर न दुष्ट को आत्म – समर्पण

कुछ भी बन, बस कायर मत बन ।

(1) कवि क्या करने की प्रेरणा दे रहा है ? 1

(क) गम के आँसू पीने की

(ख) आत्म-समर्पण की

(ग) रूकावटों को ठोकर मारने की

(घ) कायर न बनने की

(2) कवि के अनुसार किस प्रकार का जीवन व्यर्थ है ? 1

(क) कुछ भी बनकर जीना

(ख) समझौता वादी

(ग) खून पसीना बहाकर

(घ) मनुष्य को स्वस्व अर्पित करके

(3) 'कायर' से तात्पर्य है – 1

(क) डरपोक

(ख) समझौता वादी

(ग) कातर

(घ) दुष्ट

(4) 'पाहन' शब्द का पर्यायवाची है – 1

(क) मेहमान

(ख) पैर

(ग) पत्थर

(घ) पर्वत

(5) 'कुछ भी बन, बस कायर मत बन' । कवि ने क्यों कहा है ? 1

(क) कुछ भी बनना मुश्किल है

(ख) कुछ भी बनना बहुत आसान है

(ग) कायर मनुष्य अच्छा नहीं होता

(घ) कायर मनुष्य का जीवन व्यर्थ है

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए – 5

बादल, गरजो !

घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ !

ललित ललित, काले घुँघराले,

बाल कल्पना के–से पाले,

विद्युत–छवि उर में, कवि, नवजीवन वाले !

वज्र छिपा, नूतन कविता

फिर भर दो–

बादल, गरजो !

विकल विकल, उन्मन थे उन्मन

विश्व के निदाघ के सकल जन, आए अज्ञात दिशा से अनंत के घन !

तप्त धरा, जल से फिर

शीतल कर दो –

बादल, गरजो !

(1) कवि बादल से क्या करने के लिए कहता है ? 1

(क) बरसने के लिए

(ख) गरजने के लिए

(ग) आसमान में विचरण करने के लिए

(घ) जाने के लिए

(2) 'बादल' का समानार्थी शब्द है– 1

(क) विद्युत छवि

(ख) धाराधर

(ग) काले घुँघराले

(घ) अनंत के घन

(3) 'निदाघ' शब्द से तात्पर्य है – 1

(क) आग

(ख) वर्षा

(ग) गर्मी

(घ) बादल

(4) कवि ने बादल की उपमा किससे दी है – 1

(क) बाल कल्पना

(ख) नव जीवन

(ग) नूतन कविता

(घ) अज्ञात दिशा

(5) 'घेर घेर घोर गगन' पंक्ति में अलंकार बताइए – 1

(क) उपमा

(ख) उत्प्रेक्षा

(ग) यमक

(घ) अनुप्रास

खण्ड 'ख'

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित शब्दों के समक्ष दिए गए मूल शब्द में जुड़े उपसर्ग और प्रत्यय के और प्रत्यय के विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए– 1

(i) स्वावलंबन–

(क) स्वः + अवलंबन (ग) स्व + अवलंबन

(ख) स्वा + अवलंबन (घ) स्व + आवलंबन

(ii) मानवीयता– 1

(क) मानव + ईय + ता (ग) मानव + ईयता

(ख) मान + वीय + ता (घ) मानवीय + ता

(ख) निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-से विकल्प में सभी शब्द भाववाचक संज्ञाएँ नहीं है– 1

(i) अच्छाई, उपयोगी, कृत्रिमता ।

(ii) मातृत्व, गंभीरता, वात्सल्य ।

(iii) लगाव, थकान, हार ।

(iv) वीरता, परतंत्रता, दुष्टता ।

(ग) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्द के स्त्रीलिंग शब्द के सही विकल्प को चुनकर वाक्य पूरा करिए– 1

फिल्मोत्सव में सर्वश्रेष्ठ <u>अभिनेता</u> और.....को पुरस्कार प्रदान किए गए ।

(i) अध्यापिका ।

(ii) विदुषी ।

(iii) अभिनेत्री ।

(iv) खलनायिका ।

प्रश्न 6. (क) निम्नलिखित वाक्य में 'ने परसर्ग' के प्रयोग से वाक्यों में जो परिवर्तन आया है, उसके परिवर्तित रूप का सही विकल्प चुनकर लिखिए– 1

मोहन खाना खा चुका है।

(i) मोहन ने खाना खाया ।

(ii) मोहन ने खाना खा लिया था ।

(iii) मोहन ने खाने को खा लिया ।

(iv) मोहन ने खाना खा लिया है ।

(ख) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित पद में प्रयुक्त कारक के सही विकल्प को चुनकर लिखिए– 1

राम ने <u>कलम</u> से पत्र लिखा ।

(i) संबंध कारक ।

(ii) करण कारक ।

(iii) कर्म कारक ।

(iv) अपादान कारक।

(ग) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्द के विलोम शब्द के सही विकल्प को चुनकर लिखिए– 1

मैं <u>निरामिष</u> नहीं .....भोजन पसंद करता हूँ ।

(i) मांसाहारी ।

(ii) शाकाहारी ।

(iii) फलाहारी ।

(iv) सामिष ।

(घ) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त रेखांकित शब्द की जगह कौन-सा पर्यायवाची शब्द उपयुक्त हो सकता है, सही विकल्प चुनकर लिखिए– 1

सीता रामचंद्र जी की <u>पत्नी</u> थीं ।

(i) प्रिया ।

(ii) सखी ।

(iii) स्त्री ।

(iv) जीवन संगिनी ।

प्रश्न 7. निम्नलिखित वाक्यों को चार भागों में विभाजित किया गया है; इन चारों भागों में से एक भाग में त्रुटि है, उस भाग को चुनकर लिखिए– 4

(i) (क) आज (ख) देश में (ग) सर्वस्व (घ) शांति है ।

(ii) (क) गुलाब के पौधे पर (ख) मैंने (ग) कई फूल (घ) को देखा ।

(iii) (क) आज बाज़ार में (ख) एक भी (ग) दुकान (घ) नहीं खुला ।

(iv) (क) रामचरित मानस (ख) पढ़कर (ग) पाठक की (घ) आँख खुल गई ।

प्रश्न 8. निम्नलिखित सामासिक पदों के विग्रह और नाम का सही विकल्प चुनकर लिखिए– 3

(क) आज्ञानुसार 1

(*i*) आज्ञा के अनुसार – तत्पुरूष समास ।

(*ii*) आज्ञा के अनुसार– अव्ययीभाव समास ।

(*iii*) आज्ञा और अनुसार – द्वंद्व समास ।

(*iv*) जो आज्ञा को माने – बहुब्रीहि समास ।

(ख) त्रिभुवन 1

(*i*) तीन है जो भुवन – बहुब्रीहि समास ।

(*ii*) तीसरा भुवन– कर्मधारय समास ।

(*iii*) तीन भवन – द्विगु समास ।

(*iv*) तीन भुवनों (लोकों) का समूह – द्विगु समास ।

(ग) अकालपीड़ित 1

(*i*) अकाल से पीड़ित – तत्पुरूष समास

(*ii*) अकाल द्वारा पीड़ित – कर्मधारय समास

(*iii*) अकाल और पीड़ित – द्वंद्व समास

(*iv*) अकाल में पीड़ित– अव्ययीभाव समास

प्रश्न 9. निम्नलिखित गद्यांश के वाक्यों में से कुछ शब्द निकाल दिए गए हैं, ये शब्द हर रिक्त स्थान–'क' से 'ङ' के लिए दिए गए विकल्पों में शामिल हैं। गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए: 5

प्रकृति ईश्वर की (क).....है और वन प्रकृति का (ख).....उपहार । मनुष्य और प्रकृति (ग).....से ही एक-दूसरे पर (घ).....रहे हैं। प्रकृति ने ही मनुष्य को संरक्षण प्रदान किया । वह प्रकृति की (ङ)..... .....गोद में पला-बढ़ा और इसी पर आश्रित हो गया ।

(क) (*i*) लेन ।

(*ii*) देन ।

(*iii*) मेल ।

(*iv*) खेल ।

(ख) (*i*) अनुपम ।

(*ii*) अपार ।

(*iii*) अगठित ।

(*iv*) अटूट ।

(ग) (*i*) भूतकाल ।

(*ii*) वर्तमान काल ।

(*iii*) आदिकाल ।

(*iv*) भविष्य काल ।

(घ) (*i*) आश्रित ।

(*ii*) पूरक ।

(*iii*) सहयोगी ।

(*iv*) विरोधी ।

(ङ) (*i*) स्वच्छ ।

(*ii*) मलिन ।

(*iii*) लघु ।

(*iv*) सुरम्य ।

खण्ड 'ग'

प्रश्न 10. 1×5

इस हुजूम में आगे-आगे चल रहे हैं, सालिम अली। अपने कंधों पर सैलानियों की तरह अपने अंतहीन सफर को बोझ उठाए । लेकिन यह सफर पिछले तमाम सफरों से भिन्न है। भीड़-भाड़ की जिंदगी और तनाव के माहौल से सालिम अली का यह आखिरी पलायन है। अब तो वो उस वन-पक्षी की तरह प्रकृति में विलीन हो रहे हैं, जो जिंदगी को आखिरी गीत गाने के बाद मौत की गोद में जा बसा हो। कोई अपने जिस्म की हरारत और दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे तो वह पक्षी अपने सपनों के गीत दोबारा कैसे गा सकेगा ।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों का चयन कीजिए–

(*i*) अंतहीन सफर का आशय है 1

(क) बहुत लम्बी यात्रा

(ख) मृत्यु के उपरांत अंतिम यात्रा

(ग) जंगलों में भटक जाना

(घ) हुजूम में आगे चलना

(*ii*) सालिम अली का यह आखिरी पलायन कैसे था ? 1

(क) अपना काम छोड़ रहे थे

(ख) अपना दफ़्तर छोड़ के भाग रहे थे

(ग) विदेश जाकर बस रहे थे

(घ) मौत के आगोश में चले गए ।

(*iii*) सालिम किस वन पक्षी की तरह थे 1

(क) जो बंधनों में रह कर गीत गाता है।

(ख) जो पानी में खेलता है।

(ग) जो मुक्त प्रकृति में गीत गाता है।

(घ) जो आकाश में ऊँचा उड़ता है ।

(*iv*) प्रकृति से सालिम अली का संबंध कैसा था ? 1

(क) प्रकृति उनके लिए उपयोग की वस्तु थी

(ख) वे प्रकृति पर विजय पाना चाहते थे

(ग) वे प्रकृति का दोहन कर सफल होना चाहते थे

(घ) वे प्रकृति का आत्मीय हिस्सा बन कर रहते थे

(*v*) 'सपनों के गीत गाना' का तात्पर्य है 1

(क) अपना पंसदीदा कार्य करना

(ख) नींद में गाने गाना

(ग) गाने में सपनों का वर्णन करना

(घ) झूठीं बाते करना

अथवा

अपने परिवार में मैं कई पीढ़ियों के बाद उत्पन्न हुई मेरे परिवार में प्रायः दो सौ वर्ष तक कोई लड़की थी ही नहीं । सुना है, उसके पहले लड़कियों को पैदा होते ही परमधाम भेज देते थे। फिर मेरे बाबा ने बहुत दुर्गा-पूजा की । हमारी कुल-देवी दुर्गा थीं । मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे वह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता है। परिवार में बाबा फारसी और उर्दू जानते थे। पिता ने अंग्रेजी पढ़ी थी। हिंदी का कोई वातावरण नहीं था।

संक्षेप में उत्तर लिखें–

(क) लेखिका के बाबा ने दुर्गापूजा क्यों की ? 1

(ख) पहले लड़कियों के पैदा होने पर क्या करते थे और क्यों? 2

(ग) '' मुझे वह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता है।'' से लेखिका का क्या आशय है? 2

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए । 2 × 5

(क) गुरूदेव ने अपनी एक कविता में मैना को लक्ष्य करके क्या लिखा है?

(ख) 'मेरे बचपन के दिन' पाठ में बापू ने लेखिका की कौन सी वस्त ु माँग ली और क्यों ?

(ग) लेखक को प्रेमचंद का जूता फटने का क्या कारण प्रतीत होता है?

(घ) सालिम अली को पक्षियों की दुनिया की ओर किस बात ने मोड़ा ?

(ङ) जनरल आउटरम ने मैना के साथ कैसा बर्ताव किया ?

प्रश्न 12. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 5

''बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की,

'बरस बाद सुधि लीन्ही'–

बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की,

हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।

मेघ आए बड़े बन–ठन के सँबर के ।

क्षितिज अटारी गहराई दामिनी दमकी

'क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की',

बाँध टूटा झर–झर मिलन के अश्रु ढरके।''

(i) बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर किसका स्वागत किया और क्यों? 1

(ii) 'बरस बाद सुधि लीन्ही'–किवाड़ की ओट लिए लता ने ऐसा क्यों कहा? 1

(iii) ताल पानी की परात क्यों लेकर आया? 1

(iv) भ्रम की कौन - सी गाँठ खुल गई है, जिसके लिए क्षमा माँगी गई है। 1

(v) उपरोक्त काव्यांश में से अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण छाँटिए। 1

अथवा

''मैं दक्षिण में दूर-दूर तक गया

और मुझे हमेशा माँ याद आई

दक्षिण को लाँघ लेना संभव नहीं था

होता छोर तक पहुँच पाना

तो यमराज का घर देख लेता

पर आज जिधर भी पैर करके सोओ

वही दक्षिण दिशा हो जाती है

सभी दिशाओं में यमराज के आलीशान महल हैं

और वे सभी में एक साथ

अपनी दहकती आँखों सहित विराजते हैं।''

उपरोक्त काव्यांश के आधार पर निम्न प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए–

(i) कवि ने ऐसा क्यों कहा है कि दक्षिण को लाँघ लेना संभव नहीं है? 1

(ii) कवि के अनुसार आज हर दिशा दक्षिण दिशा क्यों हो गई है? 2

(iii) निम्न पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए– 2

''सभी दिशाओं में यमराज के आलीशान महल हैं

और वे सभी में एक साथ

अपनी दहकती आँखों सहित विराजते हैं।''

प्रश्न 13. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर लिखिए–

(i) 'ग्रामश्री' कविता में कवि ने 'गाँव को मरकत डिब्बे सा खुला' क्यों कहा है? 1

(ii) 'इस विजन में दूर व्यापारिक नगर से प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है'–पंक्तियों में नगरीय संस्कृति के प्रति कवि का क्या आक्रोश है और क्यों? 2

(iii) बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है? 2

प्रश्न 14. 'शहरवासी सिर्फ माटी वाली को नहीं, उसके कंटर को भी अच्छी तरह पहचानते हैं।' आपकी समझ से वे कौन-से कारण रहे होंगे जिनके रहते 'माटी वाली' को सब पहचानते थे? 5

अथवा

'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करते हुए कोई अन्य उचित शीर्षक बताइए।

खण्ड 'घ'

पत्र–लेखन

प्रश्न 15. आपके विद्यालय में खेल-दिवस मनाया गया । आपने कई खेल-प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर पुरस्कार जीते । अपने पूर्व खेल-शिक्षक को पत्र लिखकर अपनी उपलब्धि के बारे में बताइए तथा आगे भी उनके दिशानिर्देश तथा आशीर्वाद की इच्छा व्यक्त कीजिए । (5)

अथवा

अत्यधिक गर्मी के कारण प्रार्थना सभा में आपकी कक्षा का एक विद्यार्थी बेहोश हो गया । तेज धूप में विद्यालय आने-जाने की वजह से कई विद्यार्थियो को लू भी लग चुकी है। पत्र लिखकर प्रधानाचार्य से अनुरोध कीजिए कि गर्मी की छुट्टियाँ पूर्व निर्धारित समय से दो सप्ताह पहले कर दी जाएँ ।

निबंध

प्रश्न 16. नीचे दिए गए संकेत–बिन्दुओं के आधार पर निबंध लिखे । (5)

विद्यार्थियों के जीवन में इंटरनेट की भूमिका

इंटरनेट क्या है?.....इंटरनेट का फैलाव.....फायदे एवम् नुकसान..... अश्लीलता एवम् किशोर मन.....आधुनिक जीवन की अनिवार्यता के रूप में इंटरनेट.....निष्कर्ष ।

अथवा

'पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब, खेलोगे कूदोगे तो बनोगे ख़राब'

उपरोक्त पंक्ति का आशय.....रोजगानर के रूप में खेलना एवम् पढ़ना.....किसी भी क्षेत्र में सफलता एवम् परिश्रम का संबंध.....वर्तमान समय की माँग.....निष्कर्ष ।

हिन्दी पाठ्यक्रम 'अ'

कक्षा नवम

उत्तरमाला

प्रश्न 1. $1 \times 5 = 5$

(*i*) ग

(*ii*) ख

(*iii*) क

(*iv*) ग

(*v*) घ

प्रश्न 2. $1 \times 5 = 5$

(*i*) ख

(*ii*) ग

(*iii*) क

(*iv*) क

(*v*) क

प्रश्न 3. $1 \times 5 = 5$

(*i*) घ

(*ii*) ख

(*iii*) ख

(*iv*) ग

(*v*) घ

प्रश्न 4. $1 \times 5 = 5$

(*i*) ख

(*ii*) ख

(*iii*) ग

(*iv*) क

(*v*) घ

खंड 'ख'

प्रश्न 5. (क) (*i*) ख 1

(*ii*) क 1

(ख) (*v*) 1

(ग) .....

प्रश्न 6. (क) (*i*) 1

(ख) (*ii*) 1

(ग) (*iv*) 1

(घ) (*iv*) 1

प्रश्न 7. (*i*) ग

(*ii*) ग

(*iii*) घ

(*iv*) घ

प्रश्न 8.	**(क) (*ii*)**	**1**
	(ख) (*iv*)	**1**
	(ग) (*i*)	**1**
प्रश्न 9.	**(क) (*ii*)**	**1**
	(ख) (*i*)	**1**
	(ग) (*iii*)	**1**
	(घ) (*i*)	**1**
	(ङ) (*iv*)	**1**
प्रश्न 10.	*इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे ।*	*5*
प्रश्न 11.	*इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे ।*	**10**
प्रश्न 12.	*इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे ।*	*5*
प्रश्न 13.	*इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे ।*	*5*
प्रश्न 14.	*इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे ।*	*5*
प्रश्न 15.	*इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे ।*	*5*
प्रश्न 16.	*इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे ।*	*5*